संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा 27.06.2018 को भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु की राजभाषा हिन्दी के कार्यों का निरीक्षण किया गया

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 27.06.2018 को भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु के राजभाषा कार्य का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम समिति के सदस्यों ने सभा कक्ष में ब्यूरो द्वारा प्रकाशित हिन्दी प्रकाशनों एवं पुस्तकों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बैठक के प्रारम्भ में, समिति के संयोजक माननीय डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी जी ने राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के सदस्यों और राजभाषा संसदीय समिति के कार्यालय के अधिकारियों का परिचय कराया। निरीक्षण के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से डॉ. एस. राजन, प्रधान वैज्ञानिक, श्री एम. एल. गुप्ता, उपनिदेशक (राजभाषा) और श्री मनोज कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) एवं राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु की ओर से डॉ. चाँदीश आर. बल्लाल, निदेशक , डॉ. एस. के. जलाली, प्रधान वैज्ञानिक और श्री सतेंद्र कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने अपना- अपना परिचय कराया और निरीक्षण में भाग लिया। बैठक का शुभारंभ समिति के संयोजक माननीय डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी जी द्वारा किया गया जिसमें माननीय समिति के संयोजक ने संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के गठन, कार्यकलाप, कर्तव्य, महत्ता, आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। समिति के सदस्यों ने हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिये अति महत्वपूर्ण संदेश दिया।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु की निदेशक महोदया, डॉ. चाँदीश आर. बल्लाल ने, संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यों और राजभाषा संसदीय समिति कार्यालय के अधिकारियों (समिति के संयोजक माननीय डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी जी और माननीय सदस्य डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड जी तथा राजभाषा संसदीय समिति कार्यालय से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, डॉ. सत्येन्द्र सिंह जी, हिन्दी अधिकारी, श्री विकास वर्मा जी, अनुसंधान सहायक, श्रीमती नीरजा जी और सहायक, श्री अब्दुल मोहीब जी) का स्वागत किया।

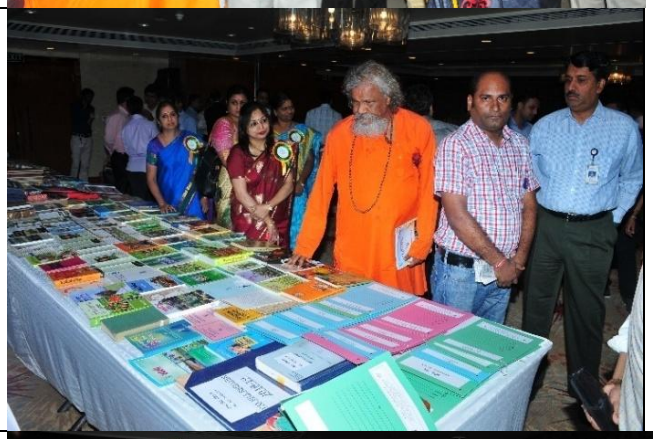

वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र सिंह ने निरीक्षण सभा का संचालन, समिति के संयोजक की अनुमति से प्रभावी रूप से किया। इसके उपरान्त ब्यूरो की निदेशक महोदया, डॉ. चाँदीश आर. बल्लाल ने, ब्यूरो में फसल पीड़कों को नियंत्रित करने के लिए किये जा रहे जैविक नियंत्रण और उनकी सफल गाथाओं तथा ब्यूरो में किये जा रहे महत्वपूर्ण अनुसन्धान कार्यों को, समिति के माननीय सदस्यों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी। ब्यूरो के निरीक्षण के दौरान समिति के सदस्यों ने ब्यूरो में हो रहे अनुसन्धान कार्यों तथा

राजभाषा के लागू करने के लिये किये जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रंशसा की। अंत में डॉ. एस. के. जलाली, प्रधान वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।